## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### Leakages in domes of Jama Masjid, Delhi

*41.SHRI AMIR ALAM KHAN: Will the Minister of CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there are multiple leakages in the domes of the 17th century old mosque Jama Masjid, Delhi;

(b) whether Government have made any assessment of damage caused due to leakages; and

(c) what is preventing Government to take immediate remedial measures to conserve the mosque inspite of allocation of funds?

THE MINISTER OF CULTURE (SHRIMATI AMBIKA SONI): (a) to (c) The Statement is laid on the Table of the House.

*Statement*

(a) to (c) Jama Masjid at Delhi is not a centrally protected monument. However, as per the directions of the Hon'ble High Court of Delhi, detailed condition assessment of the monument including the domes has been carried out by the Delhi Wakf Board through a conservation architect. Based on this report, Archaeological Survey of India has sanctioned an estimate for Rs. 47.52 lakhs. The conservation works identified at the monument include water tightening and resetting of the marble slabs of the domes to arrest seepage. An amount of Rs. 10 lakhs has been allotted for 2007-08 and the work is in progress.

**श्री आमिर आलम खान:** सभापति महोदय, हमारी पार्टी के सभी नेताओं ने कल आपको मुबारकबाद पेश की और आज सदन की कार्यवाही का आपका पहला दिन है। इत्तफाक से आज आपने मुझे पहला प्रश्न करने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद अदा करता हूँ। सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में दिल्ली की जामा मस्जिद को वक्फ बोर्ड के अधीन बताते हुए अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की है, जबकि यह राष्ट्रीय धरोहर की प्रतीक है। माननीय मंत्री जी ने पुरातत्व विभाग से 45.52 लाख रुपए इसके रख–रखाव हेतु स्वीकार भी किए हैं। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आप ऐसी कोई निधि, जैसे राष्ट्रीय संस्कृति निधि, आदि जामा मस्जिद के रख–रखाव व संरक्षण के लिए तय करेंगे, जिससे हमारे देश की यह धरोहर सालों–साल हमारे देश की पहचान बनी रहे?

**श्रीमती अम्बिका सोनी:** सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ कि कोई अपना पल्ला झाड़ने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। जामा मस्जिद दिल्ली वक्फ बोर्ड के अधीन आती है और उसका मैनेजमैंट दिल्ली वक्फ बोर्ड के तहत किया जाता है और वर्ष 1956 से वहां जो भी जरूरत कंजरवेशन और प्रेजरवेशन की पडती रही है, हम बराबर करते आए हैं और यह सिलसिला 1996 तक चलता रहा और तब तक लगभग 1,18,00,000 रुपए इस मामले पर खर्च किए गए थे। 2003 में इमाम साहब ने उस वक्त जब प्रधानमंत्री और Archaeological Survey of India को लिखा कि वे कुछ और कंजर्वेशन तथा रिपेअर वर्क चाहते हैं, तो यह मामला भी उठाया गया। इस दौरान दिल्ली हाई कोर्ट में दो अलग–अलग संस्थाओं के तहत दो PIL हुए थे, जिन्होंने अपने PIL के ज़रिए यह

मांग रखी थी कि इसको Centrally-protected monument रखा जाए। लेकिन, सबसे बातचीत करने के बाद यही फैसला किया गया कि हम लोग अपनी तरफ से Centrally-protected monument की बात नहीं रखना चाहते, क्योंकि वहां के environment को देखते हुए और यह एक living monument है, living place है, जहां लाखों की तादाद में लोग जाते हैं, तो इस तरह से ही सिलसिला जारी रहे तो सबके लिए यह ठीक रहेगा। उसी बात को मानते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने Delhi Wakf Board और Archaeological Survey of India को कहा कि एक joint survey किया जाए और जो-जो जरूरते हैं इसकी देख-रेख के लिए, उन्हें पूरा किया जाए। तभी 47,00,000 किया गया है, एक रिपोर्ट तैयार की गई है कंजर्वेशन आर्किटेक्ट के जरिए। इसमें थोडी देरी इसलिए हुई क्योंकि जब टेंडर बुलाए गए तो रकमें ज्यादा थीं, जो नहीं होनी चाहिए, लेकिन अब काम शुरू हो गया और इस साल 10 लाख सैंक्शन कर दिया गया है, immediate काम के लिए। मेरे पास पूरी सूची है, जो काम करने की जरूरत है और जो किया जा रहा है, माननीय सदस्य को मैं सदन के बाहर दे सकती हूं।

**श्री आमिर आलम खान:** सभापति महोदय, मैं यू.पी. वक्फ बोर्ड का साढ़े चार साल चेयरमैन रहा हूं, मुझे बहुत अच्छे तरीके से जानकारी है कि वक्फ बोर्ड के पास इतना पैसा नहीं होता है, जिससे कि वह मस्जिदों का रख-रखाव कर सके। मैं माननीय मंत्री जी के जवाब से सहमत नहीं हूं, जबकि जामा मस्जिद के इमाम साहब ने बताया कि 1956 में तत्कालीन प्रधान मंत्री, श्री जवाहर लाल नेहरू ने श्री मौलाना आजाद की सिफारिश से पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षण कार्य जामा मस्जिद में कराया था। संरक्षण कार्य में मुख्य बाधा पैसा है, इसी वजह से इस ऐतिहासिक मस्जिद की आज यह दुर्दशा हुई है। मैं माननीय मंत्री जी से चाहूंगा कि यह मस्जिद वक्फ बोर्ड के अधीन बनी रहें और पुरातत्व विभाग इसके रख-रखाव की पूरी जिम्मेदारी ले।

**श्रीमती अम्बिका सोनी:** सर, मैं पहले ही कह चुकी हूं कि 1956 से ASI इसकी देख-रेख कर रही है। जब-जब जरूरत पड़ी है, उसका पूरा आर्थिक बोझ ASI की तरफ से लिया गया है और आगे आने वाले समय में भी पैसे के कारण जामा मस्जिद की देख-रेख में कोई कमी नहीं आएगी और जो काम, ज्वाइंट सर्वे, इमाम के साथ मिलकर किए गए है, उन तमाम कामों को जल्दी से जल्दी पूरा किया जाएगा।

**श्री आमिर आलम खान:** मान्यवर, गुम्बदें नीचे आती जा रही हैं।

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** मैं आपकी बात से सहमत हूं कि जामा मस्जिद वक्फ बोर्ड के तहत है, लेकिन मंत्री जी, दिल्ली एक खुला म्यूजियम है, जहां पर कि हर कोने में हर जगह पर सैंकडों हजारों ऐसी इमारतें हैं कि जिन पर हिन्दुस्तान भी गर्व करता है और पूरी दुनिया के लोग भी गर्व करते हैं, लेकिन इन इमारतों का हाल यह है, चाहे फिरोजशाह कोटला हो, चाहे सफदरजंग की मस्जिद हो, चाहे लाल किला या कुतुब मीनार के अत्राफ़ में जो इमारतें हैं, वे हों, इनकी हालत बहुत खस्ता है। Archaeological Survey of India के पास न तो रिसोर्सिज हैं, न फंड हैं, न स्टॉफ है और न उनके यहां इंटेशंस हैं कि वे इन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। उनका बुरी तरह से मिसयूज होता है, लोग वहां पर जाकर उनकी दीवारों को और अन्य चीजों को खराब करते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपने कोई इस तरह की टीम बनाई है जो इसका सर्वे करे कि इन इमारतों में क्या काम करने की जरूरत है, इनका जो मिसयूज़ है, उसको कैसे रोका जाए और यहां जो दीवारों और अन्य चीजें खराब की जाती हैं, वहां पर अचानक जाकर, छापे मारकर कैसे लोगों को पकडा जाए और सजा दी जाए?

**شری شاہد صدیقی :** میں آپ کی بات سے سہمت ہوں کہ جامع مسجد وقف بورڈ کے تحت ہے، لیکن منتری جی، دہلی ایک کھلا میوزیم ہے، جہاں پر کہ ہر کونے میں ہر جگہ پر سینکڑوں، ہزاروں ایسی عمارتیں ہیں کہ جن پر ہندوستان بھی گرو کرتا ہے اور پوری دنیا کے لوگ بھی گرو کرتے ہیں، لیکن ان عمارتوں کا حال یہ ہے، چاہے فیروزشاہ کوٹلہ ہو، چاہے صفدر جنگ کی مسجد ہو، چاہے لال قلعہ یا قطب مینار کے اطراف میں جو عمارتیں ہیں، وہ ہوں، ان کی حالت بہت خستہ ہے۔ Archaeological Survey of India کے پاس نہ تو رسووسز ہیں، نہ فنڈ ہیں، نہ اسٹاف ہے اور نہ ان کے یہاں انٹیشنس ہیں کہ وہ انہیں پروٹیکٹ کر سکیں۔ ان کا بری طرح سے مسیوز ہوتا ہے، لوگ وہاں پر جاکر ان کی دیواروں کو اور دیگر چیزوں کو خراب کرتے ہیں۔ میں جاننا چاہتا ہوں کہ کیا آپ نے کوئی اس طرح کی ٹیم بنائی ہے جو اس کا سروے کرے کہ ان عمارتوں میں کیا کام کرنے کی ضرورت ہے، ان کا جو مسیوز ہے، اس کو کیسے روکا جائے اور یہاں جو دیواروں اور دیگر چیزیں خراب کی جاتی ہیں، وہاں پر اچانک جاکر، چھاپے مار کر کیسے لوگوں کو پکڑا جائے اور سزا دی جائے

**श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:** सभापति महोदय, यह सवाल जामा मस्जिद से संबंधित है। ...(**व्यवधान**)..

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** ये सारी जुड़ी हुई चीजें हैं। ...(**व्यवधान**)... जामा मस्जिद का मतलब खाली एक मस्जिद नहीं हो जाता। ...(**व्यवधान**).. अगर Archaeological Survey of India से पूछ लिया जाएगा, जवाब मिल जाएगा, तो आपको क्या तकलीफ है? ...(**व्यवधान**)..

† **شری شاہد صدیقی :** یہ ساری جڑی ہوئی چیزیں ہیں۔۔مداخلت۔۔ جامع مسجد کا مطلب خالی ایک مسجد نہیں ہو جاتا ۔۔مداخلت۔۔ اور Archaeological Survey of India سے پوچھ لیا جائے گا، جواب مل جائے گا، تو آپ کو کیا تکلیف ہے؟ ۔۔مداخلت۔۔

**श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:** सर, यह जामा मस्जिद ...(**व्यवधान**)..

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** आपको क्या तकलीफ है? ...(**व्यवधान**)..

† **شری شاہد صدیقی :** آپ کو کیا تکلیف ہے ۔۔مداخلت۔۔

† *Transliteration in Urdu Script.*

MR. CHAIRMAN: Please allow the question to be answered. ...(*Interruptions*)...

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** आपको क्या तकलीफ है, अगर जवाब मिल जाए, अगर मंत्री जी ...**(व्यवधान)**... आप मंत्री हैं? ...**(व्यवधान)**...

† **شری شاہد صدیقی :** آپ کو کیا تکلیف ہے، اگر جواب مل جائے، اگر منتری جی ہیں؟ ..مداخلت.. آپ منتری

**श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी:** सवाल यह है कि जामा मस्जिद के मामले में...**(व्यवधान)**...

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** आप चाहते है कि ये सारी इमारतें खत्म हो जाएं? ...**(व्यवधान)**...

† **شری شاہد صدیقی :** آپ چاہتے ہیں کہ یہ ساری عمارتیں ختم ہو جائیں؟ ..مداخلت..

**एक माननीय सदस्य:** हां चाहते हैं. एक मस्जिद खत्म करा चुके हैं।...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please allow the question to be answered. ...(*Interruptions*)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: The Archaeological Survey of India has failed in its duty to protect the national monument ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: I would request the hon. Members to sit down. ...(*Interruptions*)... I would request the hon. Members to sit down and allow the question to be answered.

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** सर, ट्रेज़री बेचेज डिस्टर्ब करती हैं ...**(व्यवधान)**...

† **شری شاہد صدیقی :** سر، ٹریزری بینچز ڈسٹرب کرتی ہیں ..مداخلت..

**श्रीमती अम्बिका सोनी:** सभापति जी, मैं अनुरोध करना चाहती हूं कि दिल्ली की जामा मस्जिद, दुनिया की मस्जिदों में एक मानी जाती है और उसे एक मस्जिद जहान-ए-नुमा का title भी दिया गया है। जब दिल्ली की जामा मस्जिद के बारे में यह सवाल उठाया गया था, तो मैंने पता किया कि बाकी मस्जिदों का क्या हाल है, जो मानी जाती हैं और जहां सैकड़ों की तादाद में लोग अपनी आस्था के कारण जाते हैं। यह मामला हर स्टेट के तहत आता है। चूंकि दिल्ली में हाईकोर्ट बीच में आ गई थी, वरना 1956 से बराबर इमाम साहब के कहने पर किसी भी तरह से साधनों की कमी न होने देते हुए, इस पर बराबर काम किया गया है। अभी हाल ही में हमने जो सर्वे किया है, इमाम साहब ने conservation architect के जरिए एक पूरा प्लान बनवाया है, उस प्लान को मद्देनज़र रखते हुए मुझे उम्मीद है कि जो काम शुरू हो चुका है, उसे हम जल्दी से जल्दी मुकम्मल करेंगे। इस प्लान के तहत 8-10 विशेष चीजें हैं, जिनको हम कर रहे हैं। अगर ऑनरेबल मेंबर चाहें या आप चाहें तो मैं पूरी लिस्ट सदन के पटल पर रख सकती हूं, ताकि हरेक मेंबर जान जाए कि हम कौन से काम तुरंत ले रहे हैं।

थोड़ी सी सीपेज जो देखी गई है, हमने एकदम से उसका हल निकाला है और उसको रिपेयर करने का काम जारी है। इसमें और भी जो काम करने की जरूरत है, वह हम

† Transliteration in Urdu Script.

कर रहे हैं। जहां तक बाकी मस्जिदों की बात है, मैं उम्मीद करती हूं कि स्टेटों में, हर विधान सभा में जब भी यह मामला उठाया जाएगा, तो हमारे State Archaeological Survey का जो महकमा होगा, वह इस पर ध्यानपूर्वक काम करेगा।

SHRIMATI HEMA MALINI: Sir, I would like to know from the hon. Minister regarding preservation of a national monument again. Razia Sultan occupies a unique place in our history as an Empress and a great warrior who left a distinctive mark. It is sad to note that her tomb in Delhi which is a part of our national heritage should be allowed to fall into decay and ruin. Is it not the Government's duty to preserve the monument?

**श्री सीताराम येचुरी:** हेमा जी, यह भी बोल दीजिए कि you have played that role. (*Interruptions*)

**श्री शाहिद सिद्दिकी:** श्रीमन्, हम लोगों को इससे जुड़े हुए सवाल पूछने का अधिकार है। कभी-कभी मौका मिलता है, आप हमें क्यों रोक रहे हैं ...**(व्यवधान)**

†**شری شاہد صدیقی :** شریمن، ہم لوگوں کو اس سے جڑے ہوئے سوال پوچھنے کا ادھیکار ہے۔ کبھی کبھی موقع ملتا ہے، آپ ہمیں کیوں روک رہے ہیں۔۔مداخلت۔۔

MR. CHAIRMAN: Please stop interruptions and let the Minister respond.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, they should ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please allow the question to be answered. (*Interruptions*)

SHRI AMAR SINGH: It is our right to seek an answer from the Minister. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please allow the ...(*Interruptions*)... May I make a request to the hon. Members? When a question is asked, please allow the question to be answered and follow the established rules of procedure. Let there be no interruption.

SHRI SATYAVRAT CHATURVEDI: That is exactly what I wish to point out. The rules say that a question is asked on a given specific subject and only questions on that subject could be asked and supplementary questions may be put, not the whole lot ...(*Interruptions*)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: Who are you to give rulings? ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down? It is an established practice of the House that when the Chair stands, Members sit down. My only plea is, when a question is asked please allow the question to be answered. (*Interruptions*)

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Questions must also be allowed to be put. ...(*Interruptions*)...

SHRI AMAR SINGH: Sir, let the question be allowed.

MR. CHAIRMAN: Please, let this question be answered.

† Transliteration in Urdu Script.

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir, full efforts are being made to take care of the tomb of Razia Begum in Mohalla Bulbuli Khana. There are a lot of encroachments around this tomb. Efforts are being made through persuasion and interaction with those who have for quite some time occupied space around the tomb, which they should not have, to get them to vacate, so that the environmental concerns about that historical monument could be addressed. There are several other such monuments where we are in the process of trying to see how we can relocate those who have illegally encroached the area which they should not. That process is on for this monument also.

**श्री जय प्रकाश अग्रवाल:** सर, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं और मैं सत्यव्रत जी से सहमत हूं कि जामा मस्जिद का अगर सवाल है, तो वह जामा मस्जिद के लिए होना चाहिए। इतनी बड़ी मस्जिद है। ...**(व्यवधान)**... Let me speak.

DR. V. MAITREYAN: He is again opening the topic. ..*(Interruptions)*..

**श्री जय प्रकाश अग्रवाल:** मैं तो आपके मामले में दखल नहीं देता। मैं तो आपके मामले में दखल नहीं दे रहा हूं, मुझे बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... सर, जामा मस्जिद की अपनी एक ऐतिहासिक स्थिति है। एक ऐसी मस्जिद, जहां लाखों आदमी इबादत के लिए आते हैं और लाखों सैलानी भी आते है और वह उस एरिया की, हमारी गंगा-जमनी तहज़ीब है। मै मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं और सरकार का भी, कि कई बार आपने स्कीम बनाई, पैसे भी दिए, उसको ठीक भी कराया, लेकिन सबसे बड़ी परेशानी यह है कि वह इतनी बड़ी मस्जिद है, जहां इतने लोग आते हैं, वे पैसे बहुत कम हैं, जो उसके लिए रखे जाते हैं। आप किसी वक्त पर कितने पैसे देते हैं, यह मायने नहीं रखता, लेकिन मायने यह रखता है कि आप सालाना तौर पर कितने पैसे एलॉट करते हैं उसके रख-रखाव के लिए, जिसकी बहुत सख्त जरूरत है। वह monument लाल किले से कम नहीं है। जामा मस्जिद की अपनी ऐतिहासिक जगह है।

MR. CHAIRMAN: Put the question. ...*(Interruptions)*...

**श्री जय प्रकाश अग्रवाल:** मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि स्कीम के तहत सालाना कितने पैसे आप हर साल देंगे, ताकि उसका रख-रखाव बराबर हो सके और उनको वे पैसे बार-बार आपसे मांगने न पड़ें?

**श्रीमती अम्बिका सोनी:** सर, माननीय सदस्य ने ठीक फरमाया है कि हम सालाना कुछ allocation करें, लेकिन जैसे मैंने पहले कहा कि यह एक ऐतिहासिक मस्जिद है, अपने में unequalled है, इसके लिए 1956 से अब तक जो पैसा खर्चा गया, मैंने उसका ब्यौरा दिया, सिर्फ बताने के लिए कि यह बराबर ASI की नज़र में रहा है और जब-जब वहां से, किसी तरह की भी रिक्वेस्ट या बात कही गई है, उसको address किया गया है। अभी हमने जो 47 लाख किया है, वह बहुत बड़ी रकम नहीं है, मैं मानती हूं, लेकिन दिल्ली वक्फ बोर्ड ने एक कंज़र्वेशन आर्किटेक्ट के ज़रिए, जो चीज़ें अभी address करने की जरूरत है, उसको मद्दे-नज़र रखते हुए जो नक्शा बनाया है, उसका जो estimate दिल्ली वक्फ बोर्ड को उस कंज़र्वेशन आर्किटेक्ट ने दिया है, वह लगभग 47 लाख का बनता है और वही रकम दी गई है। मैं यहा आश्वासन देना चाहती हूं कि जैसे-जैसे, जब भी जरूरत पड़ेगी, जितने भी साधनों की जरूरत पड़ेगी, हालांकि ASI के पास साधनों की कमी है, लेकिन दूसरी जगहों से लेकर इस monument, इस ऐतिहासिक मस्जिद की देख-रेख में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी, यह मैं दावे के साथ कहना चाहती हूं।